

ये अव्यक्त इशारे

सहजयोगी बनना है तो परमात्म प्यार के अनुभवी बनो

26-08-2025

आदिकाल, अमृतवेले अपने दिल में परमात्म प्यार को सम्पूर्ण रूप से धारण कर लो। अगर दिल में परमात्म प्यार, परमात्म शक्तियाँ, परमात्म ज्ञान फुल होगा तो कभी और किसी भी तरफ लगाव या स्नेह जा नहीं सकता। बाप से सच्चा प्यार है तो प्यार की निशानी है -समान, कर्मातीत। 'करावनहार' होकर कर्म करो, कराओ। कभी भी मन-बुद्धि वा संस्कारों के वश होकर कोई भी कर्म नहीं करो।

In order to be an easy yogi, be experienced in God's love.

At the beginning of the day, from amrit vela, imbibe God's love completely in your heart. When your heart is full of God's love, God's powers and God's knowledge, your attachment and love will not go to anyone else. When you have true love for the Father, the sign of true love is to be equal and karmateet. Do everything while being "karavanhar" (one who makes everything happen) and make others to do the same. Never do anything while under the influence of your mind, intellect or sanskars.